विद्यालय दर्पण

(बेहतर शिक्षा देने का एक प्रयास)

आलोक प्रकाशन

विद्यालय दर्पण

(बेहतर शिक्षा देने का एक प्रयास)

युगेश्वरी साहू

C - युगेश्वरी साहू – 2023

आलोक प्रकाशन

🌺 भूमिका 🌺

मैं 2005 से सहायक शिक्षक के पद पर हूँ. जब मैंने अध्यापन कार्य प्रारंभ किया तो समझ मे नही आता था कि बच्चों को कैसे विषय वस्तु को अच्छे से सिखा पाऊंगी. फिर मैं बच्चों के मनोभावों को समझती गई और मैंने कुछ नवाचार करना प्रारंभ किया. टी.एल.एम. का निर्माण किया. इससे मैंने जाना कि बच्चे प्रत्यक्ष रूप से जब विषय वस्तु देखते हैं, तो आसानी से समझते हैं. साथ ही मैं प्रतिदिन बच्चों को बाल कविता सुनाती थी. इससे उनमे बोलने का अभ्यास हुआ और नई-नई कविता सुनने के लिए उत्सुक रहने लगे. खेल-खेल में सिखाने लगी. इससे बच्चों के स्तर में भी सुधार होने लगा. मैं हमेशा बेहतर शिक्षा देने का प्रयास करती हूँ, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके. इस पुस्तक में मेरे व्दारा किये गए नवाचार एवं विद्यालय की कुछ गतिविधियां और मेरी उपलब्धियां हैं. आशा करती हूं कि आप सबको पसन्द आएगी.

युगेश्वरी साहू

कन्या प्राथमिक शाला

पवनी

सारंगढ-बिलाईगढ़

अनुक्रमणिका

अंगना म शिक्षा कार्यक्रम 5

समर कैंप का आयोजन 6

TLM का निर्माण 7

रंगोली 9

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में शनिवार को बाल सभा के आयोजन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमे बच्चे बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं।और आकर्षक रंगोली बनाते हैं। 9

..... 9

वार्षिक कैलेंडर 10

हिंदी दिवस 10

खेल 11

नवाचार 12

हमारे नायक 13

योग प्राणायाम 14

साफ सफाई 15

स्वच्छता पखवाड़ा 16

कबाड़ से जुगाड़ 17

बागवानी 19

फ्लैक्सी निर्माण 20

जादुई पिटारा का निर्माण 21

बेल्ट हेयर बेल्ट, मोजे वितरण 22

किलोक पत्रिका में स्वरचित कविता 23

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 24

अंगना म शिक्षा कार्यक्रम

स्कूल में माता उन्मुखीकरण के अंर्तगत अंगना म शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन कर स्मार्ट माता को सम्मानित किया गया जिससे माताएं भी घर मे बच्चों को पढ़ाती है।

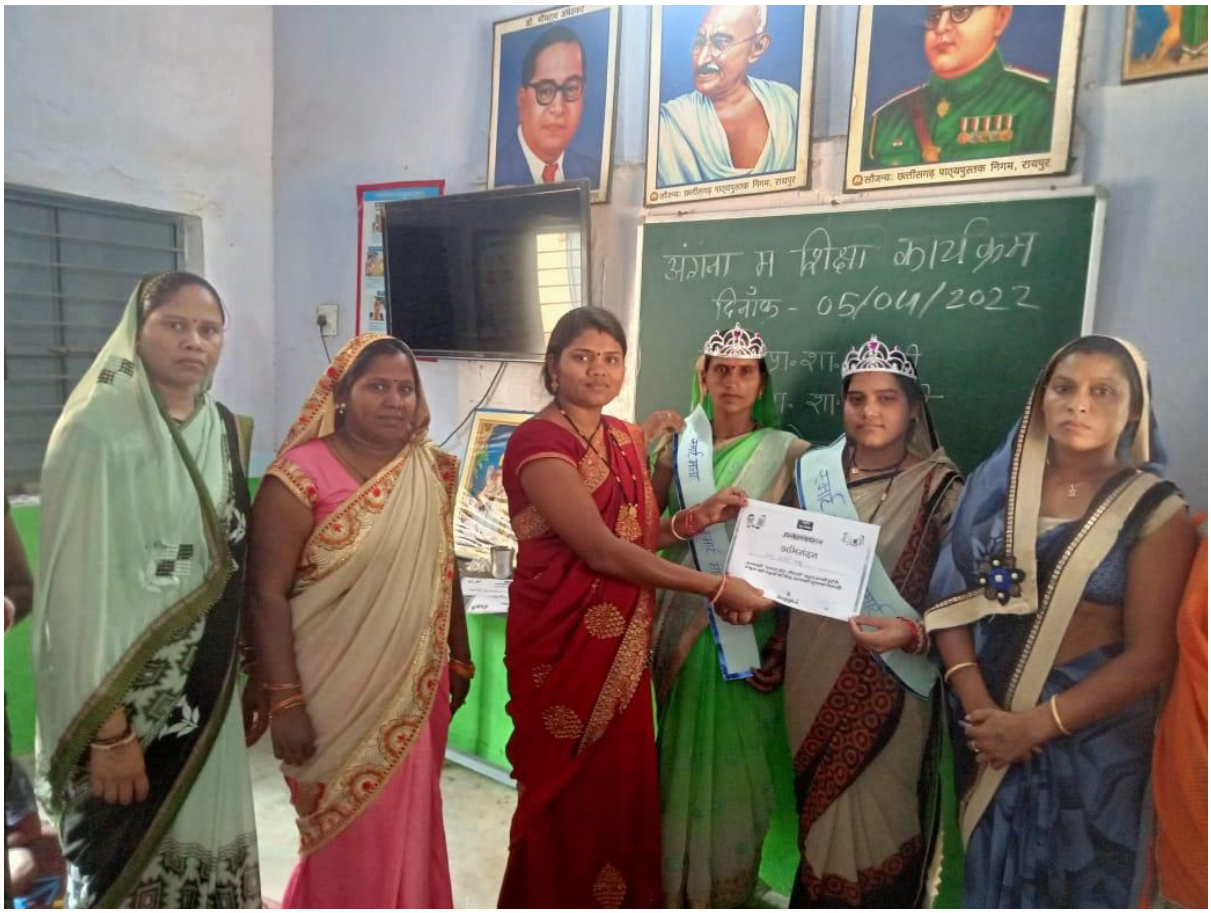

समर कैंप का आयोजन

लगातार दो वर्षों से ग्रीष्मकालीन अवकाश में समर कैंप का आयोजन कर बच्चों को पेपर आर्ट ,मिट्टी के खिलौने, महेंदी कला, चित्र कला आदि सिखाया गया।

TLM का निर्माण

शिक्षण कार्य मे TLM का अधिक से अधिक उपयोग करके शिक्षण कार्य किया जाना।इससे बच्चे देखकर आसानी से सीखते है।

9+2

रंगोली

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में शनिवार को बाल सभा के आयोजन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमे बच्चे बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं।और आकर्षक रंगोली बनाते हैं।

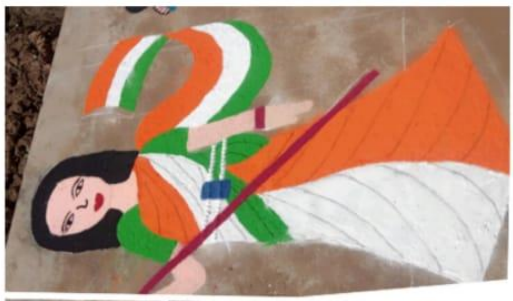

वार्षिक कैलेंडर

शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी में वार्षिक केलेंडर बनाया जाता है।उसी के अनुसार प्रत्येक माह अध्यापन कार्य एवं गतिविधियां करायी जाती है।

हिंदी दिवस

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के दिन हिंदी पुस्तक वाचन एवं बच्चों को गीत कविता सुनाया जाता है।

खेल

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में प्रतिदिन बच्चे विभिन्न प्रकार के खेल खेलते है।इसमें हम शिक्षक सहयोग करते है। खेल के नियमो के बारे में बताते है

नवाचार

मेरे द्वारा विभिन्न प्रकार के TLM का निर्माण किया गया है ।जिसका उपयोग प्रतिदिन अध्यापन कार्य मे किया जाता है

हमारे नायक

कोरोना काल मे अभ्यास पुस्तिका एवं ऑनलाइन के माध्यम से बच्चों को अध्यापन कराने के लिए पढ़ाई तुंहर दुआर छत्तीसगढ़ पोर्टल पर हमारे नायक का स्थान मिला

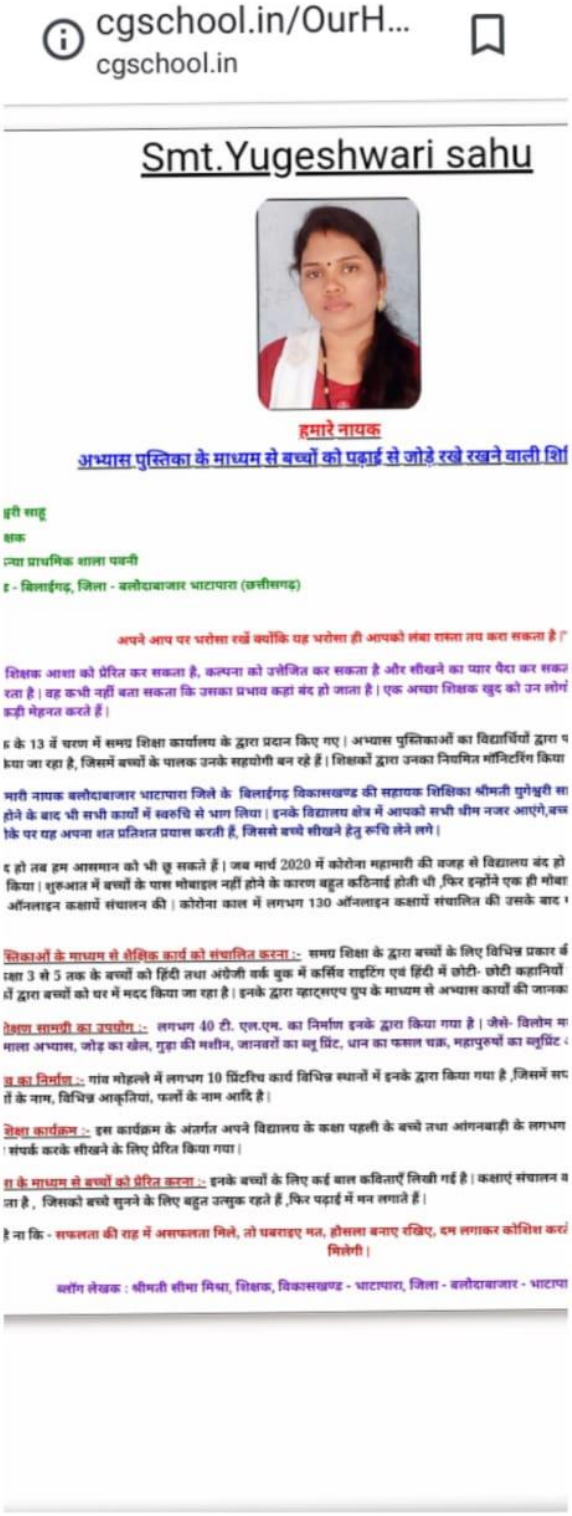

योग प्राणायाम

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में प्रत्येक शनिवार को स्कूल सुबह लगती है इसमें बच्चों को योग प्राणायाम सिखाया जाता है एवं उनके महत्व को भी बताया जाता है

साफ सफाई

शाला प्राँगण में साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाता है ।प्राँगण में कचरा डालने के लिए कचरा डिब्बा रखा गया है।पूरा प्रांगण साफ सुथरा रहता है.

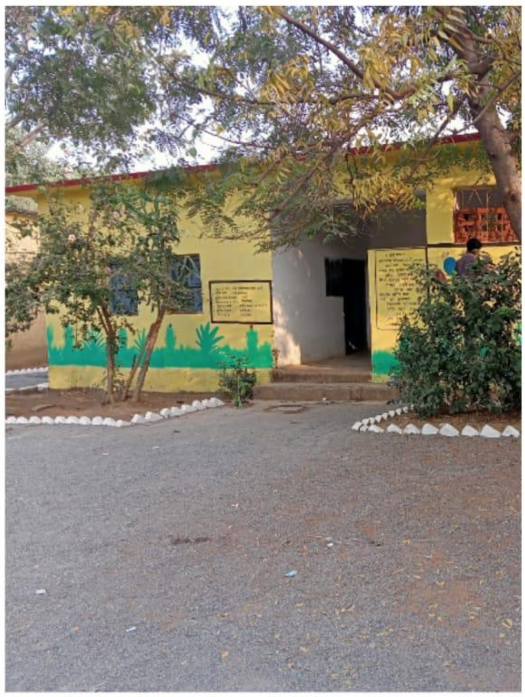

स्वच्छता पखवाड़ा

स्कूल में प्रत्येक वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है जिसमे बच्चों को साफ सफाई के बारे में बताया जाता है साथ ही साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है और प्रथम द्वितीय तृतीय को प्रोत्साहित किया जाता है.

कबाड़ से जुगाड़

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में बच्चों के लिए संकुल स्तरीय कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।जसमे बच्चे TLM का निर्माण करते है

हवा का

बागवानी

किचन गार्डन में साग - भाजी लगाया जाता है साथ ही साथ बागवानी फूल पौधे है इससे स्कूल प्रांगण पूरा हरा भरा रहता है

❀ फ्लैक्सी निर्माण ❀

स्कूल में दीवाल पर कई महत्वपूर्ण जानकारियों की फ्लैक्सी लगा है ताकि बच्चे आते जाते उसको देखें और आसानी से सीख सके

❀ जादुई पिटारा का निर्माण ❀

जादुई पिटारा का निर्माण मेरे द्वारा किया गया हैं इसमें बच्चों के लिए कई प्रकार के खिलौने मुखौटा और सीखने हेतु शिक्षण सामग्री है।इसे देखने के लिए बच्चे बड़े ही उत्सुक रहते है

बेल्ट हेयर बेल्ट, मोजे वितरण

मैं अपने जन्म दिवस पर 2 वर्षो से विद्यालय के सभी बच्चों को हेयर बेल्ट एवम बेल्ट ,मोजे प्रदान करती आ रही हु

किलोक पत्रिका में स्वरचित कविता

मेरी स्वरचित कविताएँ बाल पत्रिका किलोल में प्रकाशित हुई है

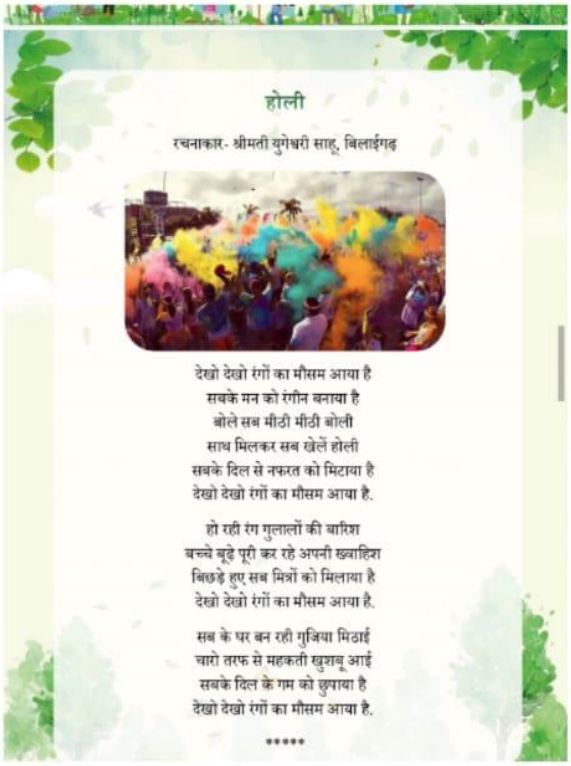

होली

रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़

देखो देखो रंगों का मौसम आया है
सबके मन को रंगीन बनाया है
बोले सब मीठी मीठी बोली
साथ मिलकर सब खेलें होली
सबके दिल से नफरत को मिटाया है
देखो देखो रंगों का मौसम आया है.

हो रही रंग गुलालों की बारिश
बच्चे बूढ़े पूरी कर रहे अपनी ख्वाहिश
बिछड़े हुए सब मित्रों को मिलाया है
देखो देखो रंगों का मौसम आया है.

सब के घर बन रही गुजिया मिठाई
चारो तरफ से महकती खुशबू आई
सबके दिल के गम को छुपाया है
देखो देखो रंगों का मौसम आया है.

*****

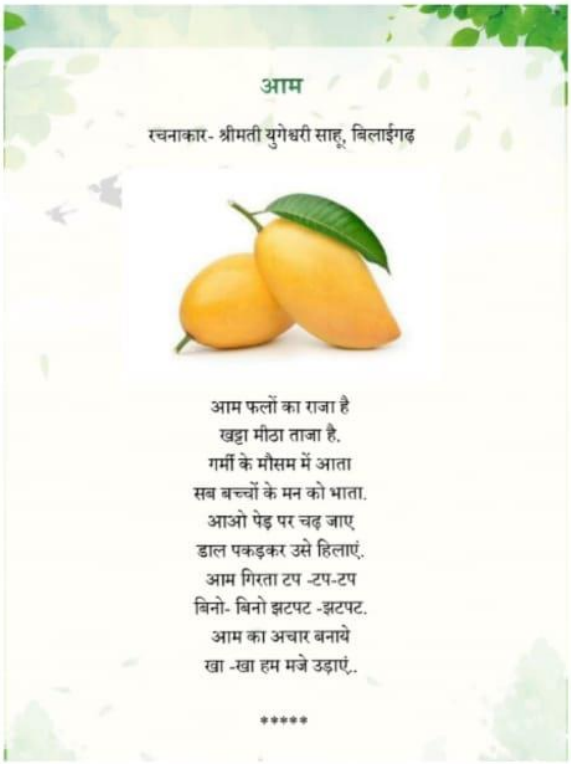

आम

रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़

आम फलों का राजा है
खट्टा मीठा ताजा है.
गर्मी के मौसम में आता
सब बच्चों के मन को भाता.
आओ पेड़ पर चढ़ जाए
डाल पकड़कर उसे हिलाएं.
आम गिरता टप -टप-टप
बिनो- बिनो झटपट -झटपट.
आम का अचार बनाये
खा -खा हम मजे उड़ाएं..

*****

धान अऊ किसान

रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़

हमर छत्तीसगढ़ के प्रमुख फसल धान हे
खून पसीना बहाके उपजावत ओला किसान हे.
किसान हर चिखला पानी म मेहनत करथे
धन्य हे ओखर चोला सर्दी गर्मी ल सहत रहिथे.
तब जाके मिलथे हमन ल बोरा-बोरा धान
धन्य हे मोर छत्तीसगढ़ के छत्तीसगढ़िया किसान.
पहिली के किसान नागर बइला ह संगवारी बनाय रहय
चटनी बासी खावय शरीर ल स्वस्थ्य बनाय रहय.
आज के जमाना म खेती होथे टेक्टर अऊ थ्रेसर से
विज्ञान के चमत्कार म खुश अऊ मुक्त हावय प्रेसर से.

धान के खेती हर अरबढ़ सुख देथे
किसान मन के मन ल हर लेथे.
छत्तीसगढ़ के माटी हर उगलथे सोन सही धान

1 मई मजदूर दिवस

रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़

मैं एक मजदूर हूँ
मेहनत करने पर मजबूर हूँ
अपना खून पसीना खूब बहाता हूँ
कभी वक्त की मार पड़े तो
भूखा ही सो जाता हूँ.
कठिन समय में भी मैं
अपना ईमान नहीं खोता हूँ
भले ही सपनो के
आसमान में जीता हूँ.
अंधियारा है जीवन मेरा
उजाले से बहुत दूर हूँ.
मैं एक मजदूर हूँ
मेहनत करने पर मजबूर हूँ.
है मेरे भी ख़्वाब बहुत

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं नवाचारी गतिविधियों के लिए शिक्षा विभाग तथा शिकसा अकादमी की ओर से सम्मान मिला

नी की शिक्षिका श्रीमती यो
ाहू को मिला बेस्ट टीचर अ

शिक्षक कला व साहित्य
छत्तीसगढ़ जिला जांजगीर
शपथ ग्रहण एवं सम्मान
का आयोजन जांजगीर के
वन में किया गया। इस
मारोह में मुख्य अतिथि
में श्री नारायण चंदेल
व पूर्व विधानसभा
त्तीसगढ़ विशिष्ट अतिथि
में सुखनंदन राठौर
एसपी रायपुर नवागढ़ वो
मार लहरी उपस्थित थे।
ान समारोह में जिला
ार विकासखंड बिलाईगढ़ के कन्या प्राथमिक शाला पवनी में पदस्थ शिक्षिका श्रीम
कला व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु बेस्ट टीचर अवार्ड 2021 से सम
गीर विधायक नारायण चंद्र के मुख्य अतिथि में शिवपाल प्रशस्ति पत्र एवं मोमें
, इस उपलब्धि के लिए जिला मिशन समन्वयक आर सोमेश्वर राव, विकास खं
शी संकुल प्राचार्य प्रिया साहू, संकुल समन्वयक कोमल प्रसाद साहू, विनोद कुमा
देवांगन, मेहत्तर देवांगन, खेमराज साहू, चंद्रिका साहू, भगवती साहू एवं कई शिक्ष
शभकामनाएं दी है।

बिलाईगढ़ की शिक्षिका युगेश्वरी साहू को मिला स्वदेश गौरव सम्मान

अमन पथ न्यूज

पवनी। विकासखंड बिलाईगढ़ के समीपस्थ ग्राम पवनी के शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी संकुल की शिक्षिका योगेश्वरी साहू को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और विभिन्न प्रकार के कविताओं के लिए स्वदेश गौरव सम्मान 2020 से सम्मनित किया गया। साथ ही साथ विशिष्ट स्वदेश प्रेमी सम्मान के साथ साथ शिक्षा कला एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ से कविताओं के

ून्य निवेश नवाचार क्रियान्वर
हेतु युगेश्वरी साहू सम्मानित

लाईगढ़, (अजय उजाला)। श्री
ी सोसायटी द्वारा कोरोना काल मे लॉक
से लेकर विद्यालय खुलने के समय तक
र्तमान समय मे शिक्षकों की क्षमता
करण के साथ शून्य निवेश नवाचारों के
ता पूर्वक प्रयोग हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण
जारी है।जिससे शैक्षणिक गुणवता
सीखने के प्रतिफल प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण
काफी मददगार साबित हो रहा है।इस
में निरंतर उपस्थिति और भागीदारी त
विद्यालय में सफलतापूर्वक नवा
उपयोग हेतु युगेश्वरी साहू शासकी
प्राथमिक शाला पवनी को विकासख
समन्वय केंद्र बलौदाबाजार में जि
अधिकारी सी.एस. ध्रुव द्वारा सम्मा
गया। जिला स्तरीय इस कार्यक्रम
विकासखण्डों से 35 शिक्षकों को
किया गया। इस कार्यक्रम में श्री
सोसायटी से प्रशिक्षकअनीस
बलौदाबाजार बी.आर.सी. सी.आर.
बिलाईगढ़ ब्लॉक से श्रीमती सरोज
शिक्षक मेहत्तर लाल देवांगन,
साहू,शामिल रहे। सम्मान मिलने प
समन्वयक कोमल साहू,चंद्रिक
कृष्णोशंकर साहू,प्रदीप शर्मा महे
साहू,अंतिमा कंवर एवं शिक्षा जगत
अन्य लोगों ने बधाई दी है।

न्यूज डायरी

शा. कन्या प्राथमिक शाला पवनी में

पवनी। शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी में सम
रहा है। संकुल की शिक्षिका श्रीमती युगेश्वरी साहू द्वारा
का आयोजन सुबह 8 से 10 बजे तक बच्चों को कई
रहा है। जिसमें मिट्टी का खिलौना, कागज का पेपर अ
जैसे कई सृजनात्मक व रचनात्मक कार्यों को सिखाया

ृति

छूने दो मुझे आसमान

छूने दो मुझे आसमान।
बटोरेंगी ख्वाहिशों के तारें और चांद।
ख्वाहिश है नील गगन को छूने की।
पंछियो की तरह आसमान में उड़ने की।।
पूरा करूँगी अपने अरमान।
छूने दो मुझे आसमान।।
नारी हूँ तो क्या हुआ
ठान ली है मैंने भी उड़ान भरने की।
अगर हौसला है बुलंद तो
बात नहीं डरने की।।
नारी हो या पुरुष सबको दो सम्मान।
छूने दो मुझे आसमान।।
लक्ष्मी बाई कल्पना चावला भी
तो नारी थी।
जिन्होंने देश के लिए
कुछ करने की ठानी थी।।
साहस मुझे भी दो कर सकू
रोशन अपने देश का नाम।
छूने दो मुझे आसमान।।
दुनिया मे आई हूँ तो कुछ
करके जाऊंगी।
अपने कर्तव्य को पूरी तरह निभाऊंगी।।
चाहे चली जाए मेरी जान।
छूने दो मुझे आसमान।।

श्रीमती युगेश्वरी साहू शिक्षिका)
पवनी छत्तीसगढ़

जैन,संजीव जायसवाल, पूनम कोठारी आदि मौजूद रहे।

तेरा दर लागे मुझे प्यारा

माँ तेरा दर मुझे लागे प्यारा प्यारा।
सुंदर-सुंदर न्यारा न्यारा।।
तेरे दरबार मे ऐसी शक्ति है।
जो आये यहाँ मिलती उसे भक्ति है।।
तेरे दर पे सुख शान्ति का वास है।
दुखिया दुखड़े सुनाती तेरे पास है।।
निर्बल को देती हो तुम सहारा।
माँ तेरा दर......................
सुंदर-सुंदर...................... ।।
जो कोई तेरे दर पे जाता है।
अपनी झोली भरकर आता है।।
माँ तेरे दरबार मे जब सजती है जगराता।
सभी का मन भक्ति में डूब जाता।।
तेरी कृपा से भाग्य बन जाता चमकता सितारा।
माँ तेरा दर......................
सुंदर-सुंदर...................... ।।

श्रीमती युगेश्वरी साहू
पवनी(बिलाईगढ़)
जिला-बलौदाबाजार(छ. ग.)

चेहरे खुली किताब

चेहरे खुली किताब हैमनोभावों की मीठी अहसास है।।
कभी दिल की बातों को बया करती।
कभी दर्द को मुस्कानों में छुपाती।
कभी छुई मुई की तरह मुरझा जाती।
और कभी कमल की तरह खिलखिलाती।।
गजब होती चेहरे की शबाब है।
चेहरे खुली किताब है।
मनोभावों की मीठी अहसास है।।
कभी नजरों से अपार प्रेम छलकाती।
कभी दर्द भरी आंसू की धार बहाती।।
कभी मन की हसरतों को बया करती।
खुशियां मिले तो चांद सा चमकती।।
और क्रोध में बन जाती काली रात है।
चेहरे खुली किताब है।
मनोभावों की मीठी अहसास है।।

@किरणदूत
युगेश्वरी साहू
पवनी (छत्तीसगढ़)

कोरोना में उत्सव

कहते है जान है तो जहांन है जब हम जीवित रहेंगे तब सारी दुनिया तो देख सकेंगे ।दुनिया मे कई तरह के प्राणी विधाता ने बनाया है ।उसमें मनुष्य को एक बुद्धि जीवी प्राणी माना गया है फिर भी आज मानव की बुद्धि भ्रष्ट होते जा रही है ।आज प्रकृति में इतनी बड़ी महामारी 卐कोरोना卐 छाया हुआ है अनेको की जाने जा रही है। ऐसे में अपनी सावधानियां जैसे मास्क लगाना ,भीड़ भाड़ जगहों पर नही जाना आदि ही अपनी सुरक्षा है ।फिर भी लोग लापरवाही कर रहे है ।कम लोगो के शामिल होने की अनुमति ले रहे और अधिक संख्या में लोगो को शामिल करके इस कोरोना काल मे उत्सव शादी ब्याह और कई उत्सव मना रहे है और ये नही सोच रहे कि इसका अंजाम बुरा भी हो सकता है हम अपनो को भी खो सकते हैं।

इसलिए अभी कोरोना काल मे कोई भी उत्सव पर रोक लगना चाहिए नही तो खुशियां मातम में बदल सकता है ।जब जिंदगी रहेगी तो उत्सव को और धूमधाम से मना सकते है।

श्रीमती युगेश्वरी साहू(शिक्षिका)
पवनी छत्तीसगढ़

श्रीमती युगेश्वरी साहू

सहायक शिक्षक

शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी विकासखंड-बिलाईगढ़

जिला -सारंगढ बिलाईग